हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस' और 'प्रकृति-छात्र वैज्ञानिक मिलन' कार्यक्रम का आयोजन

(05 जून, 2019)

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनाँक **05 जून, 2019** को **'विश्व पर्यावरण दिवस'** का मनाया गया। इसके अंतर्गत- पॉटर हिल, शिमला में संस्थान द्वारा विकसित की जा रही पश्चिमी हिमालयन समशीतोष्ण वृक्ष वाटिका (WHTA) में **'प्रकृति-छात्र वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम'** का आयोजन किया गया, जिसमे संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस की विषय-वस्तु **"वायु प्रदूषण को हराएँ" (Beat Air Pollution)** पर संस्थान के वैज्ञानिकों और छात्रों के मध्य सीधा संवाद स्थापित कर विचारों और ज्ञान के परस्पर आदान –प्रदान करने का प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय विद्यालय, जतोग छावनी, शिमला, केन्द्रीय विद्यालय, जाखू हिल्स, शिमला तथा जवाहर नवोदय विद्यालय, ठियोग, शिमला के लगभग 50 विद्यार्थियों, अध्यापकों सहित संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों और अनुसंधान कर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के आरंभ में इस आयोजन के समन्वयक श्री विनोद कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने इस अवसर पर उपस्थित सभी विद्यालयों के अध्यापकों, विद्यार्थियों, संस्थान के निदेशक (प्रभारी), श्री सत्य प्रकाश नेगी तथा सभी वैज्ञानिकों और अधिकारियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया । उन्होने सर्वप्रथम, इस आयोजन के बारे में तथा संस्थान द्वारा की जारी रही पहल और समसामयिक समस्याओं के निवारण में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों की भूमिका और भागीदारी के बारे में भी संक्षेप में बतलाया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

इस के पश्चात संस्थान के समूह समन्वयक अनुसंधान, डॉ. राजेश शर्मा ने ' विश्व पर्यावरण दिवस ' के लिए इस वर्ष निर्धारित विषयवस्तु "वायु प्रदूषण को हराएँ" (Beat Air Pollution) पर विद्यार्थियों को बड़े रोचक तथा प्रभावी तरीके से विस्तारपूर्वक व्याख्यान दिया । उन्होने वायु-प्रदूषण के लिए उतरदायी मानवीय कारकों को चिन्हित करते हुए कहा के वायुमंडल मे लगातार हानिकारक एवं विषैले पदार्थों का सघनन इस कदर बढ़ रहा है- कि बड़े- बड़े शहरों में तो सांस लेना भी मुश्किल होता जा रहा है तथा लोगों को अक्सर मास्क (Mask) पहने हुए पाया जाता है। उन्होने कहा कि दिन प्रति दिन श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि का मुख्य कारण भी वायु प्रदूषण ही है। अपने सम्बोधन में, डॉ. राजेश शर्मा ने अपने अनुभवों और ज्ञान को भी छात्रों के साथ सांझा किया और विद्यार्थियों को वायु- प्रदूषण कम करने के लिए अपनी दिनचर्या और जीवन शैली संबंधी कई छोटे- छोटे कारगर और प्रभावी तरीकों के बारे में भी अवगत करवाया। उन्होने बच्चों को वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में हिस्सा लेने के भी लिए प्रोत्साहित किया।

इसी क्रम में संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. वनीत जिष्टु ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होने बच्चों को वृक्ष वाटिका के बारे में मौलिक जानकारी प्रदान की और देश-विदेश में स्थापित प्रमुख वृक्ष वाटिकाओं के विषय में बताया। उन्होने कहा कि पॉटर हिल, शिमला में, पश्चिमी हिमालयन समशीतोष्ण तरुवाटिका (Western-Himalayan Temperate Arboretum) की स्थापना, हिमाचल प्रदेश वन विभाग के सौजन्य से की जा रही है I इस तरुवाटिका में सम-शीतोष्ण क्षेत्र में पाई जाने वाली लगभग 170 वृक्ष प्रजातियाँ में से 117 वृक्ष प्रजातियाँ लगाई गई है। डॉ.वनीत जिष्टु ने कहा कि यह वृक्ष वाटिका अपने नवोदित स्तर पर तथा इसे विकसित होने में काफी समय लगेगा। उन्होने विद्यार्थियों का पौधों और पादप वर्गिकरण के बारे में भी ज्ञानार्जन किया। इसके बाद आमंत्रित विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी विश्व पर्यावरण दिवस के लिए इस वर्ष के विषय-वस्तु “वायु प्रदूषण को हराएँ” (Beat Air Pollution) पर अपने –अपने विचारों को बहुत ही प्रभावी एवं उत्साह- पूर्वक व्यक्त किया और स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तरों पर वायु –प्रदूषण की व्यापकता और गंभीरता से सभी को अवगत करवाया। संस्थान की कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता, कुमारी मोनिका चौहान ने इस अवसर पर अपनी स्वरचित एक कविता भी प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के प्रभारी निदेशक, **श्री सत्य प्रकाश नेगी** ने सभी को संबोधित किया और कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने के लिए हमारे पड़ोसी देश चीन को मज़बानी दी गई है क्योंकि उन्होने बीते बर्षो में कुछ महत्वपूर्ण तकनीकों द्वारा वायु प्रदूषण को काफी हद तक कम करने में सफलता हासिल की है, जिसका अनुकरण वायु प्रदूषण से पस्त और ग्रसित विश्व के अन्य देशों को करना चाहिए ताकि प्रदूषण से होने वाले कुप्रभावों से बचा जा सके। उन्होने सभी विद्यालयों के अध्यापकों और विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में जोशपूर्वक तथा सक्रिय रूप से हिस्सा लेने के लिए धन्यवाद दिया और विद्यार्थियों को अपने आस पास के परिवेश में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए उपाय करने और जागरूकता फैलाने का आवाहन भी किया।

उन्होने कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुतियाँ देने वाले छात्र- छात्राओं को पुरुस्कृत किया तथा इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेने पर उनकी सराहना की। अंत में विद्यार्थियों ने तरु-वाटिका का क्षेत्रीय भ्रमण भी किया और इस वाटिका के इर्द-गिर्द गिरी चीड़ की पत्तियां को एकत्रित और उचित निष्पादन कर– वायु प्रदूषण को कम करने के प्रयोगिक सरोकार को भी पूर्ण किया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

Beat Air Pollution
CHINA 2019
World Environment Day
5 June, 2019
#BeatAirPollution
"PRAKRITI"

मीडिया कवरेज़

ल-अन्य PALAMPUR • THURSDAY • 6.6.2019 5

शिमला : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। (नि.स.)

चीन ने वायु प्रदूषण रोकने के लिए उठाए कठोर कदम : सत्य प्रकाश

कहा-इसका अनुसरण विश्व के सभी देशों को करना चाहिए

शिमला, 5 जून (अम्बादत्त): विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने के लिए इस वर्ष मेजबान देश चीन को चुना गया है, क्योंकि उन्होंने बीते वर्षों में वायु प्रदूषण की रोकथाम करने में कठोर एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के निदेशक सत्य प्रकाश नेगी ने कहा कि इसका अनुसरण विश्व के सभी देशों को करना चाहिए, ताकि प्रदूषण से होने वाले कुप्रभावों से बचा जा सके। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा प्रकृति-छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान द्वारा स्थापित पश्चिमी हिमालयन समशीतोष्ण वृक्ष वाटिका, पॉटर हिल शिमला में किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस वर्ष का थीम वायु प्रदूषण को हराएं, निर्धारित किया गया है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय जतोग छावनी, केंद्रीय विद्यालय जाखू तथा जवाहर नवोदय विद्यालय ठियोग के लगभग 50 विद्यार्थियों, अध्यापकों, संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर संस्थान के समूह समन्वयक अनुसंधान डा. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों को इस वर्ष के थीम वायु प्रदूषण को हराएं पर व्याख्यान दिया और उनको पर्यावरण बचाने व अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु जागरूक किया। संस्थान के वैज्ञानिक डा. वनीत जिष्टु ने बताया कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला हिमाचल प्रदेश वन विभाग की वित्तीय सहायता से पॉटर हिल शिमला में पश्चिमी हिमालयन समशीतोष्ण तरुवाटिका की स्थापना की गई है। इस तरुवाटिका में समशीतोष्ण क्षेत्र में पाई जाने वाली लगभग 170 वृक्ष प्रजातियां में से 117 वृक्ष प्रजातियां लगाई गई हैं। तदोपरांत छात्र-छात्राओं को वृक्ष वाटिका का भ्रमण करवाया गया और उनके वृक्ष वाटिका संबंधी प्रश्नों की उत्सुकताओं का भी निवारण किया गया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu, 06 June 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/40102770

प्रदूषण रोकने के लिए सभी का आगे आना जरूरी

राज्य ब्यूरो, शिमला : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने शिमला के पॉटरहिल में पर्यावरण दिवस मनाया। वायु प्रदूषण को हराएं, इस बार का थीम रहा। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय जतोग छावनी, केंद्रीय विद्यालय जाखू, जवाहर नवोदय विद्यालय ठियोग के विद्यार्थियों, अध्यापकों, संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने भाग लिया।

इस मौके पर एचएफआरआइ के निदेशक सत्य प्रकाश नेगी ने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने के लिए चीन को चुना गया है।

चीन ने बीते वर्षों में वायु प्रदूषण की रोकथाम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसका अनुसरण विश्व के सभी देशों को अपनाना चाहिए ताकि प्रदूषण से होने वाले कुप्रभाव से बचा जा सके। संस्थान के समूह समन्वयक अनुसंधान डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों को इस वर्ष के थीम पर व्याख्यान दिया।

वैज्ञानिक डॉ. वनीत जिष्टु ने कहा कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने वन विभाग की वित्तीय सहायता से पॉटर हिल शिमला में पश्चिमी हिमालयन समशीतोष्ण तरुवाटिका की स्थापना की है। छात्र-छात्राओं को वृक्ष वाटिका का भ्रमण करवाया गया एवं उनके वृक्ष वाटिका संबंधी पूछे गए सवालों का जवाब दिया गया।

वायू प्रदूषण रोकने में चीन सबसे आगे

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला की ओर से बुधवार को पर्यावरण दिवस पर प्रकृति छात्र वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक सत्यप्रकाश नेगी ने बताया कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की मेज़बानी चीन की ओर से की जाएगी। चीन वायु प्रदुषण रोकने वाले देशों में सबसे आगे हैं। उन्होंने कहा कि हमें चीन से सीख लेकर वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कदम उठाने चाहिए। प्रकृति छात्र वैज्ञानिक मिलन का आयोजन पश्चिमी समशीतोष्ण वृक्ष वाटिका पॉटर हिल शिमला में किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के लिए इस बार वर्ष के थीम बीट एयर पॉलयुशन निर्धारित की गई हैं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय जुतोग छावनी, शिमलाए केन्द्रीय विद्यालय, जाखू हिल्स, शिमला तथा जवाहर नवोदय विद्यालय ठियोग, शिमला के लगभग 50 विद्यार्थियों, अध्यापकों, संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने भाग लिया।

****